❖ RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

विदर्भ स्वाभिमान

❖ मुख्य संपादक सुभाषचंद्र जे. दुबे 9423426199 ❖ मुख्य प्रबंधक वीणा सुभाषचंद्र दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 12 से 18 सितंबर 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 12 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2021-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

मरना सभी को है, यह निश्चित है, ऐसे में जब तक जीते हैं किसी कोसुख नहीं दे सकते हैं तो तकलीफ नहीं देने का कसम खा लें और अमल करें, हम कभी नहीं मरेंगे. लोगों के दिलों में रहने वाला मरता नहीं है.

मुख्यमंत्री केजरीवाल को सुको से जमानत

नई दिल्ली- दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शराब घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. सुप्रीम कोर्ट ने 156 दिनों के जेल के बाद उन्हें जमानत दे दी है. जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने इस महत्वपूर्ण मामले में फैसला सुनाया.

सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर पहले ही फैसला सुरक्षित रख लिया था. इसके बाद, सीबीआई और केजरीवाल के

वकीलों ने कोर्ट में अपनी-अपनी दलीलें प्रस्तुत कीं. आज कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए केजरीवाल को जमानत देने का आदेश दिया है.

अरविंद केजरीवाल को 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था. गिरफ्तारी के दस दिन बाद, 1 अप्रैल को उन्हें तिहाड़ जेल भेजा दिया गया. इसके बाद, 10 मई को चुनाव प्रचार के लिए 21 दिन की रिहाई दी गई थी, जो कि 51 दिन की जेल अवधि के बाद मिली थी. सुप्रीम कोर्ट ने 1 जून तक केजरीवाल की रिहाई की मंजूरी दी थी, लेकिन 2 जून को उन्होंने तिहाड़ जेल में सरेंडर कर दिया.

शुक्रवार 13 सितंबर को जब केजरीवाल की रिहाई होगी, तो उन्होंने कुल मिलाकर 177 दिन जेल में बिताए हैं. अगर 21 दिन की रिहाई को हटा दिया जाए, तो वे कुल 156 दिन जेल में रहे हैं. अरविंद केजरीवाल की जमानत का यह फैसला उनके समर्थकों के लिए बड़ी राहत का संदेश लाया है. इसके साथ ही, यह दिल्ली की राजनीतिक स्थिति पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव डालेगा.

मुख्यमंत्री योगी ने मंत्रियों को सौं पा जिले का प्रभार,खुद भी ली जिम्मेदारी

लखनऊ- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने मंत्रिमण्डल की बैठक कर मंत्रियों को विभिन्न जिलों का प्रभारी बनाते हुए उन्हें जिम्मेदारी सौंपी और कहा कि सभी मंत्री केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए तंत्र विकसित करेंगे. राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री ने खुद और दोनों उपमुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्या तथा बृजेश पाठक को 25-25 जिलों की समीक्षा की जिम्मेदारी भी सौंपी है. इसमें 4-4 माह के अंतराल पर जिलों का प्रभार बदलता रहेगा. मुख्यमंत्री ने अपेक्षा की कि हर प्रभारी मंत्री हर माह अपने प्रभार के जिले में दौरा करके रात्रि विश्राम करेंगे तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए तंत्र विकसित करेंगे. उन्होंने मंत्रिमण्डल के सभी सदस्यों से आपसी समन्वय और संगठन को साथ लेकर चलने का आग्रह किया है. उन्होंने सरकार की लोक-कल्याण की नीतियों और योजनाओं को जनता तक ले जाने के आवश्यक निर्देश भी दिए.

आदित्यनाथ ने कहा कि जिले के प्रभारी मंत्री के रूप हर महीने कम से कम एक बार 24 घंटे के लिए अपने प्रभार वाले जिले में प्रवास करेंगे. शासन से संबंधित मुद्दों कोर कमेटी से चर्चा करके हर माह संबंधित विभाग एवं मुख्यमंत्री कार्यालय के सामने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे. मुख्यमंत्री ने 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर स्वच्छता अभियान की शुरुआत के अवसर पर सभी प्रभारी मंत्रियों के अपने-अपने प्रभार के जनपद में इस कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. सभी मंत्रियों को बेहतरीन प्रदर्शन की सलाह भी दी गई है. इसके नतीजे दिखाई देंगे.

संपादकीय ......

बाप्पा सभी नेताओं को जिला विकास की बुद्धि देना

जिले में उत्साह के साथ गणेशोत्सव मनाया जा रहा है. लेकिन कुछ मामले में बाप्पा आपके चरणों में नमन करते हुए हम कामना करते हैं कि आपके आशिर्वाद से विकास की पटरी से उतरे अंबानगरी के साथ ही जिले के नेताओं को ऐसी सद्बुद्धी देना कि यह अपने अहंकार के लिए एक-दूसरे को निपटाने के प्रयासों को छोड़कर जिले के विकास और इसमें विदर्भ में दूसरे स्थान के महत्वपूर्ण शहर तथा जिले के रूप में विकसित करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दें. विघ्नहर्ता पिछले कुछ वर्षो से जिले के विकास को ग्रहण लगने से कोई इंकार नहीं कर सकता है. औद्योगिक पिछड़ापन तो हमारे माथे पर जैसे पक्का कर दिया गया था, धार्मिक पर्यटन की अपार संभावना रहने के बाद भी नेताओं द्वारा बिना कुछ किए श्रेय की जिस तरह से लड़ाई होती है, वह देखकर लोगों को भी हैरत लगता है कि आखिर उन्होंने क्या गलत लोगों को सदन में भेज दिया. बेलोरा हवाई अड्डा, चिखलदरा का विश्वस्तरीय स्कायवाक, ग्रामीण क्षेत्र के रास्ते के साथ ही बेरोजगारी हटाने के लिए जरूरी कारखाने नहीं हैं. जो कारखाने पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभाताई पाटील के कारण आए थे,वह कारखाने भी बंद होने की स्थिति में हैं. कोई दमदार नेतृत्व जिले में नजर नहीं आ रहा है. सभी नेताओं में केवल अपना अहंकार ही दिखाई दे रहा है. पूर्व पालकमंत्री डॉ. सुनील देशमुख के बाद से जिले में विकास की गति को कहीं न कहीं पंख लगने की बजाय जामर जैसे लग गया है. विकास कुछ भी नहीं हुआ है,ऐसा नहीं है. लेकिन नागपुर के बाद सबसे बड़ा शहर और संभागीय मुख्यालय रहने के कारण इसका जितना विकास होना चाहिए था, वह नहीं हुआ. लोग आपस में आज चर्चा करते हैं. आखिर यहां के नेताओं को किसी एक समस्या के लिए मिलकर प्रयास करते देखने का दस साल से सौभाग्य जिले की जनता को नहीं मिला है. उसे इस पर पछतावा होता है कि उसने जिले के विकास के लिए नेताओं को विधायक, सांसद बनाया लेकिन यह सभी अपने अहंकार और घमंड को लेकर किसी से सीधे मुंह बात नहीं करते हैं. जिले के विकास के लिए आखिर इनके अहंकार को खत्म करने की याचना गणेशजी के चरणों में लोग कर रहे हैं.

जिला आज कई मामले में पिछड़ रहा है. क्या यही सोचकर लोगों ने नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए चुना था. इसके साथ ही कई गणेशोत्सव मंडलों में सनातन धर्म को अभिप्रेत व्यवहार नहीं होता है. फिल्मी गलत गाने लगाये जाते हैं. ऐसे गानों के लिए सालभरअपना घर ठीक रहता है. कम से कम गणेशजी की आराधना करते समय हमारी धार्मिक पवित्रता का भी सम्मान किया जाना चाहिए. ताकि सनातन धर्म पर सवाल उठाने का मौका किसी को नहीं मिले. गणेशोत्सव पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं. साथ ही रिद्धि-सिद्धि और सद्बुद्धि के दाता भगवान गणेश अपने भक्तों पर सदैव कृपा करें और देश में खुशहाली का आशिर्वाद दें, यही प्रार्थना गणनायक के चरणों में हम करते हैं.

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक, संपादक एस.जे.दुबे ने एस.बी.प्रिंटर्स, गांधी चौक अमरावती से मुद्रित कर छाया कॉलोनी, अकोली रोड, अमरावती 444602 से प्रकाशित किया है.
मोबाइल नंबर ***9423426199/9420406706/8855019189.***
विदर्भ स्वाभिमान में प्रकाशित होने वाले विभिन्न लेख, पत्र, साहित्य, लेखकों तथा कवियों के विचारों तथा तथ्यों पर आधारित होते हैं. इन लेखकों के विचारों,तथ्यों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है. संपादक पर केवल सम्पादकीय लेखों का ही दायित्व है. **मुख्य प्रबंधक-** सौ. वीणा सुभाषचंद्र दुबे.(सभी विवाद अमरावती जिला न्यायालय अंतर्गत).
RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881
E-Mail-vidarbh. swabhiman@gmail.com
www.vidarbhswabhiman.com

निर्दोषों की जिंदगी से खिलवाड़ महापाप

विदर्भ स्वाभिमान
राय बताएं-9423426199/8855019189
www.vidarbhswabhiman.com

देश में आज कानून का डर कई बार खत्म होने का एहसास होता है. एक गाड़ी चालक द्वारा गाड़ी को मामूली ठोस लगने पर उतरकर दूसरी गाड़ी के चालक को पीटना, इतना ही नहीं तो उठाकर जमीन पर पटकना, ओवरटेक करने सेटोकने पर बुजुर्ग की पिटाई, समझाने वाले के साथ मारपीट की बढ़ती घटनाएं जहां इसका सबूत हैं, वहीं दूसरी ओर रेल पटरियों पर सीमेंट ब्लॉक डालकर दुर्घटना करवाने और इसमें निर्दोष लोगों की जान लेने की बढ़ती राक्षसी मानसिकता को समय रहते रोकना जरूरी हो गया है. आज इस तरह के तत्वों के हौसले बढ़ने के बाद उन्हें संभालना पुलिस तथा सरकार के लिए भी मुश्किल हो जाएगा. इसलिए ऐसे सांपों के फन समय रहते कुचलने का प्रयास किया जाना चाहिए.

पिछले कुछ दिनों से रेल पटरियों पर सीमेंट के बड़े ब्लॉक डालकर रेलवे गाड़ी का एक्सीडेंट करवाने की साजिश रचने वाले तत्व भी किसी देशद्रोही से काम नहीं है.राजस्थान तथा महाराष्ट्र मे रेल पटरी पर बड़े-बड़े सीमेंट ब्लॉक रेलवे पुलिस ने बरामद किए. यह तो ऊपर वाले का शुक्र है कि लगभग 70 किलो वजन के इन सीमेंट ब्लॉक को तोड़कर रेलवे गाड़ी आगे बढ़ गई और भीषण दुर्घटना टल गई वरना रेलवे हादसे में न जाने कितने निरपराध यात्रियों की जान जा सकती थी. इतनी सुरक्षा के बाद भी आखिर पटरी पर इतने बड़े सीमेंट के पत्थर रखने वाले देशभक्त तो नहीं हो सकते हैं, देश के लिए इस तरह की हरामखोर शक्तियां किसी भी रूप में समर्थनीय नहीं है. खुफिया विभाग तथा पुलिस को देश के भीतर रहकर देशद्रोही का काम करने वाली इन शक्तियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का प्रयास करना चाहिए. इसके पहले भी देश की प्रमुख रेल लाइनों पर इस तरह सीमेंट के ब्लॉक रखकर रेलवे हादसे का षड्यंत्र रचा गया था. रेलवे कर्मचारियों की सजगता से हादसा बच गया था लेकिन बार-बार इस तरह की स्थिति पैदा होना निश्चित ही चिंता का विषय है.

नागरिकों की जिंदगी के साथ इस तरह का खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है. राजस्थान के फुलेरा-अहमदाबाद रेलवे पटरी पर रविवार को रात 3:00 बजे सीमेंट के वजनदार ब्लॉक मिले. यह ब्लॉक रेलवे दुर्घटना होने के लिए डाले गए थे यह तो रेलवे चालक की सतर्कता तथा ऊपर वाले की बहुत बड़ी कृपा थी कि इस 70 किलो के ब्लॉक को रेलवे इंजन रौंदते हुए सुरक्षित चल गया. रेलवे लोको पायलट द्वारा दिखाई गई सतर्कता के कारण खतरनाक हादसा होने से बच गया. देश के भीतर रहने वाले वह कौन हरामखोर हैं जो हमारे बीच रहकर ही हमारे ही नागरिकों की जान के दुश्मन बने हैं. ऐसे सांपों को फन उठाने के पहले कुचलना जरूरी है. सरकार को इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए और खुफिया एजेंसियों के माध्यम से ऐसे देशद्रोही तत्वों का पता लगाकर इस तरह की कड़ी सजा देनी चाहिए की बाकी कोई लोगों की जान से खिलवाड़ करने का अपना इरादा ही इस सजा को सोच कर त्याग दे.हमारे शास्त्रों में भी स्पष्ट कहा गया है कि जिस तरह से गधे को भागवत गीता का ज्ञान प्रभावित नहीं कर सकता है, उसी तरह हरामी, मक्कारी से भरे तत्वों को कितना भी समझाने का प्रयास किया जाएगा, वह समझते नहीं हैं. इसलिए कहते हैं कि लातों के भूत बातों से नहीं मानते हैं.निरपराध लोगों की जिंदगी से खेलने वाले ऐसे तत्वों का ऐसा हश्र करना चाहिए कि उनकी हालत देखकर दूसरा कोई ऐसी हिमाकत न करे. लेकिन दुर्भाग्यवश हमारी यंत्रणा, हमारी पुलिस और सरकार भी इसमें असफल होने का अनुभव देशवासियों को आ रहा है. देश की जनता इस तरह की हरकतों से डरी है.

राष्ट्र धर्म से बड़ा कुछ नहीं होता है: डॉ.जवादे

भाषा कोई भी हो, वह मन जोड़ने का काम करती है. लेकिन इसके साथ ही राष्ट्र धर्म हर व्यक्ति के लिए पहला कर्म होना चाहिए. यह सोचना चाहिए कि राष्ट्र अगर सुरक्षित है तो ही हम सुरक्षित रह सकते हैं. राष्ट्र सुरक्षित अगर नहीं रहा तो बांग्लादेश के जैसे हाल होता है.क्यों कि आतंकवादी जाति नहीं देखते हैं. ऐसे में सभी को सदैव सतर्क रहना चाहिए. कहते हैं कि वही देश तरक्की करते हैं, जिन देशों में शांति होती है, अस्थिरता नहीं होती है. लेकिन वह देश हमेशा परेशान रहते हैं, जहां अशांति होती है, जिस देश के नागरिक अपने स्वार्थ के लिए देश से गद्दारी करने से बाज नहीं आते हैं. कई ऐसे देशों का उदाहरण दिया जा सकता है कि जहां के नागरिक स्वयं को सुरक्षित नहीं समझते हैं. ऐसे देश हमेशा पिछड़े होते हैं. वह अपने देश के नागरिकों की रोटी-कपड़ा और मकान की जरूरत भी पूरी नहीं कर पाते हैं. इस बारे में अमरावती के जाने-माने नेत्र शल्य चिकित्सक डॉ. राजेश जवादे का स्पष्ट मत है कि देश की प्रगति तभी होती है जब हर नागरिक का साथ मिलता है, देश की दुर्गति तभी होती है जब देश का हर नागरिक अपने स्वार्थ को देश के विकास से अधिक महत्व देता है. भारत देश महान है. हमारी संस्कृति, आचार-विचार और संस्कार पूरे विश्व में पूज्यनीय कहे जाते हैं. देश को सोने की चिड़िया कहा जाता था. लेकिन दुर्भाग्य केवल इतना ही है कि देश में मुगलों के प्रवेश के समय भी जयचंद थे और आज भी देश में ऐसों की कमी नहीं है. देश तरक्की कर रहा है, इसमें कोई संदेह नहीं है. लेकिन सभी का साथ जैसा मिलना चाहिए, उस तरह का अगर साथ मिलता तो निश्चित तौर पर देश प्रगति के नए आयाम स्थापित करता था. समूचे विश्व में प्रगति वही राष्ट्र करता है, जहां देश के प्रति कर्तव्यनिष्ठ एवम समर्पित लोग होते हैं.भारतीय लोकतंत्र का सम्मान समूचे विश्व में होता है,यह निश्चित तौर पर हर भारतीय के लिए अभिमान की बात है. राष्ट्र प्रथम वाली मानसिकता को बढ़ावा देने की जरूरत है. हमारे देश में अपार संभावनाएं हैं. पूरे विश्व में सबसे अधिक मेहनती भारत में ही रहते हैं. अभी तक विदर्भ रत्न सहित दर्जनों पुरस्कार प्राप्त कर चुके डॉ. राजेश जवादे का कहना है कि राष्ट्र की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए. इसलिए सभी को सतर्क रहना चाहिए.

हिंदी है राष्ट्र की बिंदी, सभी को जोड़ती है

हिंदी दिवस पर विशेष बालीवुड में हिंदी प्रेमी नायकों की संख्या भरपूर, महानायक अमिताभ ने बढ़ाया गौरव

दुनियाभर में हिंदी भाषा का क्रेज देखने को मिलता है. विदेशी एक्टर भी जब किसी इंडियन फैन या फिर एक्टर से मिलते हैं तो वह अक्सर नमस्कार के साथ उनका अभिवादन करते हैं. बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन को हिंदी में महारथ हासिल है वह अक्सर एक्स अकाउंट पर हिंदी में ही ट्वीट करते हैं. हाल ही में हिंदी भाषा के महत्व में हिन्दी फिल्मों की भूमिका को कोई भी इंकार नहीं कर सकता है. हिन्दी भाषा में एकता, सभी की भावनाओं को समझने के साथ ही किसी तरह का भेदभाव नहीं करने की ताकत है.

हॉलीवुड सुपरहीरो फिल्म डेडपूल में राज कपूर के क्लासिक सिनेमा श्री 420 का गाना मेरा जूता है जापानी...सुनाई देता है तो ऑस्कर से सम्मानित अंग्रेजी फिल्म एटर्नल सनशाइन ऑफ द स्पॉटलेस माइंड में नायक-नायिका के एकांत के लम्हों की पृष्ठभूमि में बजता है बालीवुड फिल्म गैंबलर का गाना वादा ना तोड़. वहीं निकोल किडमैन की हालीवुड फिल्म माओलिन रग में गाने छम्मा छम्मा...(फिल्म चाइना गेट) का प्रयोग देखकर सुखद अनभूति होती है. वैश्विक स्तर पर हिंदी की धूम बढ़ी है तो इसके प्रसार में सिनेमा की भी अहम भूमिका है.

देश की भाषा का मान बढ़ाने वाले कुछ फिल्मकार व कलाकार हिंदी दिवस पर साझा कर रहे हैं अपने विचार...

मेरे देश की भाषा ऊंच-नीच को नहीं मानती-इसमें कोई कैपिटल या स्मॉल लेटर नहीं होता है और हां आधे अक्षर को भी सहारा देने के लिए पूरा अक्षर हमेशा तैयार रहता है. कुछ इस अंदाज में हिंदी दिवस पर मातृभाषा के लिए प्रेम प्रदर्शित करते हैं महानायक अमिताभ बच्चन. अपने इंटरनेट मीडिया एकाउंट पर अक्सर वह पिता व कवि हरिवंश राय बच्चन की पंक्तियां उद्धृत करते हैं तो प्रेमचंद के साहित्य से चुने गए शब्दरूपी मोती की शोभा भी दिखती है.

उत्कृष्टता के लिए भाषा पर हो पकड़-द कश्मीर फाइल्स और द ताशकंद फाइल्स फिल्मों के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री हिंदी भाषा पर अच्छी पकड़ रखते हैं. वह कहते हैं, भाषा पर जितनी अच्छी पकड़ होगी, काम के संदर्भ में उतना ही उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकेंगे. मैं हिंदी में कविताएं लिखता हूं. शुद्ध हिंदी बोलता हूं. चूंकि हमारे देश में मिश्रित बोली प्रयोग की जाती है तो अपनी फिल्मों में वही भाषा रखने का मेरा प्रयास होता है.कई बार कलाकारों को हिंदी के संवाद भी अंग्रेजी में समझाने पड़ते हैं. मेरी एक फिल्म में संवाद था कि बड़ी विडंबना है. मुझे कलाकार को यह लाइन अंग्रेजी में समझानी पड़ी थी. यह हमारी शिक्षा प्रणाली की भी समस्या है. बहरहाल कलाकारों को मेरी फिल्म के संवाद सही तरीके से बोलने के लिए मेहनत करनी पड़ती है.जो कलाकार अच्छी हिंदी बोलते और समझते हैं, वह गलत हिंदी को तुरंत पकड़ लेते हैं. इसी कारण अभिनेता अमिताभ बच्चन को चेहरे फिल्म में अपना एकालाप (मोनोलॉग) स्वयं लिखना पड़ गया था. निर्माता आनंद पंडित किस्सा सुनाते हैं, चेहरे फिल्म में बच्चन साहब का एक मोनोलॉग था, जिसे मैंने बड़े लेखकों से लिखवाया था, लेकिन बच्चन साहब को वह ठीक नहीं लगा.

उन्होंने शूटिंग रुकवाई और अपनी वैनिटी वैन में जाकर पूरा मोनोलॉग स्वयं लिखा. वह 12 मिनट का एक रिकॉर्ड है. हिंदी पर उनकी जोरदार पकड़ है. मैं स्वयं हिंदी को प्राथमिकता देता हूं. एक बार मैं एक बड़े कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अहमदाबाद गया था. कई बड़े लोगों ने अंग्रेजी में भाषण दिया. मेरी बारी आई तो मैंने कहा कि मैं हिंदी में भाव व्यक्त करना चाहूंगा. दो मिनट तक मेरे लिए तालियां बजती रहीं.रंगमंच और फिल्मों में सक्रिय अभिनेता मनोज जोशी कहते हैं कि हिंदी हमारी राजभाषा और हमारे राष्ट्र की बिंदी है. भाषा पर पकड़ के बिना अभिनेता के अभिनय की धार तेज नहीं हो सकती है. भाषा ही प्रतिभा को निखारती है. मैं चाणक्य नाटक पिछले 35 वर्ष से निरंतर करता आ रहा हूं.-

राष्ट्र को जोड़ती है राष्ट्रभाषा

वैसे तो हर भाषा बेहतरीन होती है. यह भावनाएं समझने का माध्यम होती है. लेकिन राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी की मिठास और विश्वभर में इसे समझने वाले लोग भारत की गरिमा को बढ़ाते हैं. हर भाषा आत्मीयता का सबसे बड़ी माध्यम होती है. हिंदी राष्ट्र की बिंदी है और सदैव यह लोगों के दिलों को जोड़ने का काम करती है. इसलिए राष्ट्रभाषा हिंदी पर सभी को गर्व रहता है. यह बात समाजसेवी सुदर्शन गांग ने विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में कही.हिंदी दिवस पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं भी दी.

भाषा में आत्मीयता की ताकत

वैसे तो हर भाषा बेहतरीन होती है.लेकिन राष्ट्रभाषा हिंदी आत्मीयता के साथ ही राष्ट्र प्रेम तथा राष्ट्रीय एकता की ताकत को मजबूत रखने का सामर्थ्य रखती है. भाषा सदैव जोड़ने का माध्यम होती है. आप मातृभाषा में जब बात करते हैं तो आपको गर्व होता है. आप जिस राज्य में जाएं, वहां की भाषा अथवा विदेश दौरे पर जाने के बाद वहां कीभाषा में बात करते हैं तो आधी समस्या दूर हो जाती है. यह मत व्यक्त किया प्राचार्य सुधीर महाजन ने. हिंदी दिवस पर सभी को शुभकामनाएं दी.

जिस घर में माता-पिता हंसते हैं,भगवान वहीं पर बसते हैं

माता-पिता की उपेक्षा करने वाले घर में कभी शांति, सम्पन्नता नहीं रह सकती है. यदि रही भी तो आत्मिक सुकून बिल्कुल नहीं रहता है. आदर्श विचार जीवन में खुशी का केन्द्र रहते हैं. ऐसे में माता-पिता की सेवा के महत्व, उससे होने वाले चमत्कार, माता-पिता की सेवा नहीं करने के परिणाम को दिखाने का प्रयास इस किताब में किया गया है. बच्चों में बेहतरीन संस्कार के लिए यह जरूरी है.संस्कार का जीवन में कितना महत्व है, इस पर किताब में प्रकाश डाला गया है. प्राप्ती के लिए संपर्क करें. कीमत केवल 125 रूपए.

किताब खरीदने के लिए संपर्क करें मो. 9423426199/8855019189

खुशियों के हर प्रकार के रंग

उपाध्याय ड्रायफ्रूटस एन्ड फुड के संग

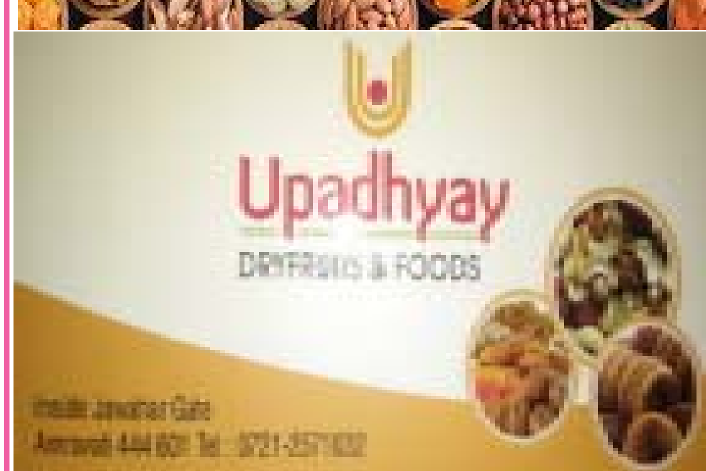

संस्कार और मर्यादा का जीवन में अपार महत्व है

बडनेरा के झिरी में रामलीला मंचन की कथा में पं.राजेश तिवारी का मत, स्वयंवर में उमड़े भक्त, चंदूलाल अग्रवाल कार्यक्रम में छाए रहे

विदर्भ स्वाभिमान, 11 सितंबर

अमरावती- जीवन में आज संस्कारों का पतन हो रहा है, इसलिए आज अधर्म बढ़ रहा है. संस्कार ही व्यक्ति के जीवन को संवारते हैं और वही उसे मजबूत बनाते हैं. प्रभु श्रीराम ने जीवन में संस्कारों को उच्च स्थान प्रदान करने के साथ ही सभी संस्कारों को सदैव महत्व दिया. मर्यादा का कभी हनन नहीं किया था. इसलिए पूरी दुनिया आज भी उन्हें मर्यादा पुरूषोत्तम के रूप में पूजती है. जीवन में ज्ञान,प्रेम और अपनेपन से बढ़कर कुछ नहीं होता है. आपका कर्म ही आपके जीवन में सुख और दुःख तय करता है. कर्म अच्छा होगा तो फल भी अच्छा होगा. मंदिर के प्रमुख चंदूलाल अग्रवाल तथा ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों के सहयोग से आयोजित श्रीराम कथा प्रयागराज के रामायण मंडल के राजेश तिवारी और उनकी टीम कर रही है. इस दौरान सीता के स्वयंवर के दौरान भव्य स्वागत समारोह और प्रसाद का लाभ हजारों भक्तों ने उठाया.

जीवन में मर्यादा का अपार महत्व होता है. मर्यादा का हनन होने पर दोनों को ही तकलीफ होती है. जीवन में चरित्र अगर अच्छा है तो व्यक्ति की कीर्ति को कभी धक्का नहीं लगता है. प्रभु श्रीराम ने अपने जीवन में कभी भी किसी भी मर्यादा का उल्लंघन नहीं किया. उन्होंने सदैव मर्यादा का पालन करते हुए मानव जाति के कल्याण का ही कार्य किया. इसीलिए वे मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए. घर तथा बाहर दोनों ही स्थानों पर मर्यादा का अपना महत्व होता है. परिवार कैसा हो, भाई-भाई का प्रेम कैसा हो, इस दिशा में श्रीरामचरितमानस से बड़ा ग्रंथ नहीं हो सकता है. यह किताब नहीं बल्कि मानव जीवन दर्शन का अनुभव है. यह बात बडनेरा-यवतमाल रोड पर झिरी में स्थिति श्रीराम मंदिर में शुरू संगीतमय श्रीरामलीला में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के कलाकारों ने किया.

श्रीराम के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को चौपाई तथा भजनों के माध्यम से प्रस्तुत करने के साथ ही मंडल के प्रमुख राजेन्द्र तिवारी ने कहा कि जीवन दर्शन का सबसे बड़ा माध्यम रामायण होता है. लाखों भक्तों के आस्थास्थल श्रीराम मंदिर झिरी में श्रीराम कथा रामायण रामलीला मंडल प्रयागराज के कलाकारों द्वारा तीन दिनों से श्रीराम के जीवन का बेहतरीन तरीके से जहां मंचन किया, वहीं विभिन्न प्रसंगों को भी जिंदा करने का कार्य किया. मंदिर में रामलीला देखने के लिए बड़ी संख्या में भाविक जमा हुए थे. कार्यक्रम को भरपूर सहयोग देने से कलाकारों में भी खुशी की लहर व्याप्त थी.

सीता विवाह बनाया यादगार

कथा के तहत मंगलवार को कलाकारों द्वारा श्रीराम-सीता स्वयंवर को साकार किया गया. इस उपलक्ष्य में मंदिर ट्रस्ट द्वारा भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया. इसमें सैकड़ों बारातियों के भोजन का शानदार प्रबंध भी चंदूलाल अग्रवाल तथा सहयोगियों द्वारा किया गया. रात 7 से 10 बजे तक कथा मंचन के बाद सभी ने प्रभु प्रसादी का लाभ उठाया. बारात के साथ ही विवाह की सभी विधियों को पूरा किया गया.क्रार्यक्रम का असंख्य भक्तों ने लाभ उठाया.

विदर्भ स्वाभिमान

कमाने का सुनहरा अवसर,विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा.

मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199/8855019189

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से बेहतरीन कमाई भी कर सकते हैं. मेहनत करने की तैयारी वाले ही तत्काल संपर्क करें

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती

मो. 9423426199/8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.

मो.9423426199

रोमांटिक सीन करने में क्रिस्टल डिसूजा ने संकोच को कैसे भगाया

चाहने वाले चाहते हैं टीवी पर फिर से उनकी वापसी

विदर्भ स्वाभिमान,11 सितंबर

मुंबई- ज़ीवन में करने की चाहत हो और मेहनत की तैयारी हो तो कोई भी काम कठिन नहीं लगता है. जब समर्पित भाव से कोई काम किया जाता है तो निश्चित तौर पर उसमें सफलता ही मिलती है. फिल्म उद्योग में कई ऐसे कलाकार हैं, जिनका जीवन संघर्षों में तपकर सोना हुआ है. उनकी अदाकारीका लोहा लोग लेते हैं. एक हजारों में मेरी बहना है' से फैंस की पसंदीदा अभिनेत्रियों की लिस्ट में शुमार हो चुकीं क्रिस्टल डिसूजा इस वक्त ओटीटी के दुनिया और बॉलीवुड में अपने कदम जमाने की कोशिश में लगी हुई हैं. क्रिस्टल टीवी पर कब लौटेंगी ये तो हमें नहीं पता, लेकिन इस वक्त उनकी 2022 में रिलीज हुई फिल्म 'विस्फोट' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर छाई हुई है. बातचीत में उन्होंने बताया कि पहले रोमांटिक सीन करने में उन्हें हिचक होती थी. लेकिन बाद में धीरे-धीरे स्वयं को संभालने का प्रयास किया और अब इसमें एक्सपर्ट हो गयी.

बीते दिनों रिलीज हुई रितेश देशमुख और फरदीन खान स्टारर इस मूवी को बेहद प्यार मिल रहा है. हाल ही में क्रिस्टल ने अपनी फिल्म के साथ-साथ रोमांटिक सीन फिल्माने पर भी बात की.

अभिनय करियर के शुरुआती दौर में कई बार इंडस्ट्री के तौर-तरीकों, काम को समझना कलाकारों के लिए आसान नहीं होता. कुछ समय तक काम करने के बाद जो अनुभव मिलते हैं, उससे कहानियों के चयन, अभिनय के तरीकों में परिवर्तन आता है. अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा अब छोटे पर्दे से बढ़कर फिल्मों पर ध्यान दे रही हैं.

वर्ष पहले जब मैंने करियर शुरू किया था, तब रोमांटिक सीन करने में सहज नहीं थी. डर था कि नहीं कर पाऊंगी, पर काम करते-करते समझ आया कि यह सब बहुत तकनीकी तौर पर शूट होता है. अगर इस तरह के सीन कहानी की मांग हैं या वे कहानी को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं तो मुझे अब हिचक नहीं होती.मैं रोमांटिक फिल्में देखना पसंद करती हूं, तो बतौर कलाकार मैं क्यों ना करूं. ऐसे कई डर अब मन से निकल चुके हैं. हालांकि ऐसा भी नहीं है कि इतनी निडर हो गई हूं कि खतरों के खिलाड़ी बन गई हूं.डिसूजा के मुताबिक जब जीवन में अभाव हो तभी लोगों का स्वभाव देखा जाता है. जो लोग सही होते हैं, उन्हें जीवन में कभी तकलीफ नहीं होती है.सभी को जीवन समर्पित खुश होकर जीना चाहिए.

ग्राम पंचायत कार्यालय,नांदेड़ खु.

ता. भातकुली ,जि. अमरावती

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत कार्यालय, नांदेड़ खु.,पंचायत समिति भातकुली, जि.अमरावती कडून जिल्हा परिषद पंजीबद्ध कंत्राटदारा कडून बी-1 निविदा दो लिफाफा पद्धतीने मागविण्यात येत आहे.

अनु. क्रमांक	क़ामाचे नाव	लेखाशीर्ष	अंदाजित किंमत	निविदा फी	क़ोऱ्या निविदा मिळण्याचा दिनांक	निविदा स्वीकृतीचा दिनांक	निविदा उघडण्याचा दिनांक व वेळ
1	जि.प.शाळा दुरूस्ती ऋणमोचन	जिल्हा निधि	4,00,000/ -	500/-	10-09-2024 ते 17-09-2024	10-09-2024 ते 17-09-2024	17-09-2024 नंतर च्या मासिक मीटिंग मध्ये
2	जि.प. शाळा दुरूस्ती नांदेड़ खु.	जिल्हा निधि	4,00,000/	500/-	10-09-2024 ते 17-09-2024	10-09-2024 ते 17-09-2024	17-09-2024 नंतर च्या मासिक मीटिंग मध्ये
3	पांढरी येथे क़ांक्रिट नाली बांधकाम करणे	एजएनवाय	2,00,000/	200/-	10-09-2024 ते 17-09-2024	10-09-2024 ते 17-09-2024	17-09-2024 नंतर च्या मासिक मीटिंग मध्ये

अटी व शर्ती

1) निविदा दो लिफाफा पद्धतीत स्वीकारल्या जातील.
2) अटी शर्ती ग्राम पंचायत नांदेड़ खु. येथे कार्यालयीन वेळेत पाहावयास मिळतील.
3) निविदा स्वीकारणे किंवा रद्द करण्याचा संपूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत सरपंच/सचिव यांनी स्वतः कडे राखून ठेवला आहे.

सरपंच/सचिव
ग्राम पंचायत नांदेड़ खु.
ता. भातकुली
जिल्हा- अमरावती.

सैकड़ों छात्रों ने रक्तदान कर अंबादासपंत वैद्य को याद किया

हव्याप्रमं में शानदार आयोजन देश के लिए गौरव है
हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल,वक्ताओं ने की सराहना

विदर्भ स्वाभिमान,11 सितंबर

अमरावती- देश ही नहीं बल्कि खेल के क्षेत्र में समूचे विश्व में सुख्यात तथा अमरावती की शान श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के आद्य संस्थापक स्व.अंबादासपंत वैद्य का स्मृति दिवस रक्तदान सहित विभिन्न कार्यक्रमों से मनाया गया. इस उपलक्ष्य में आयोजित शिविर में भारी संख्या में युवाओं ने रक्तदान कर सामाजिक दायित्व का निर्वहन किया. साथ ही संस्था द्वारा राष्ट्र प्रेम तथा सामाजिक दायित्व की सिखाई गई भावना को भी साकार कर वाह-वाही लूटी. मंडल के डिग्री कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन में सोमवार को लिए रक्तदान शिविर में 101 युवाओं ने रक्तदान कर स्व. अंबादासपंत वैद्य को नमन किया.उनके जीवन और आदर्शों की सभी मान्यवरों ने जहां सराहना की, वहीं दूसरी ओर संस्था के माध्यम से अमरावती जिले की बढ़ती शान पर बेहतरीन विचार व्यक्त किया.

डिग्री कॉलेज ऑफ फिजिकल एज्यूकेशन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. श्रीनिवास देशपांडे की अध्यक्षता में शहर पुलिस उपायुक्त गणेश शिंदे मुख्य उद्घाटक थे. जबकि प्रमख उपस्थिति में मंडल की सचिव डॉ. माधुरी चेंडके, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. गोविंद कासट, रक्तदान समिति के अध्यक्ष महेंद्र भूतड़ा, रक्तदान समिति के उपाध्यक्ष अजय दातेराव,पीडीएमसी के डॉ. अक्षय जोशी, प्रो. दीपा कान्हेगांवकर, प्रा. राजेश पांडे उपस्थित थे.पश्चात कार्यक्रम संयोजक डॉ. मधकर बुरनासे के मार्गदर्शन में रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया गया. इसमें डॉ. पंजाबराव देशमुख मेडिकल हॉस्पिटल कॉलेज के ब्लड बैंक के माध्यम से रक्त संग्रहण किया गया. उक्त रक्तदान शिविर में पद्मश्री प्रभाकरराव वैद्य, मंडल के उपाध्यक्ष डॉ. श्रीकांत चेंडके, कार्यकारी अध्यक्ष एड. प्रशांत देशपांडे, उपाध्यक्ष डॉ. विकास कोलेश्वर, सचिव प्रो. रवीन्द्र खांडेकर,प्रा.वसंतराव हरणे, वामनराव तायडे, हिम्मतराव घोम, रमेशराव दुबे, प्रदीपराव पिंपलकर ने रक्तदान शिविर का दौरा किया और रक्तदाताओं और सहयोगी अधिकारियों का उत्साह बढ़ाया.प्राचार्य डॉ. अंजलि राऊत के मार्गदर्शन में युवा इंजीनियरों ने बड़ी संख्या में इस रक्तदान शिविर में भाग लेकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाई.

शिबिर में डॉ. लक्ष्मीकांत खंडागळे, डॉ. संजय तिरथकर, डॉ. विजय पांडे, डॉ. जयंत इंगोले, डॉ. देवानंद सावरकर, डॉ. दिनानाथ नवाथे, डॉ. डब्ल्यू कॅनेडी, डॉ. उदय मांजरे सहित प्राध्यापक, शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे. परिचय प्रा. राजेश पांडे,संचालन प्रा. आशीष हाटेकर तथा आभार डॉ. मधकर बुरनासे ने माना. डीसीपी गणेश शिंदे ने संस्था को प्रेरणादायी बताया,वहीं संस्था सचिव डॉ. माधुरी चेंडके ने कहा कि सामाजिक कामों की विरासत को बरकरार रखने का प्रयास किया जा रहा है. महेन्द्र भुतड़ा ने रक्तदान की जरूरत बताते हुए सभी से इस सामाजिक काम में योगदान देने का आग्रह किया. सभी वक्ताओं ने हव्याप्रमंडल की सराहना की.

धारणी के गोबर के गणपति बने आकर्षण

धारणी-मेलघाट के सबसे उंचे ऑस्थान पर बसे राणीगांव में गांव के अविनाश और कुछ बच्चों ने मिट्टी से गणपति बनाकर उनकी स्थापना कर पूजा-अर्चना शुरू की. मेलघाट के इस अनोखे मिट्टी के गणपति के दर्शन के लिए भक्त पहुंच रहे हैं.यहां पर भोपाल से विशेष रूप से तैयार कर लाए गए गोबर के गणपति भक्तों को आकर्षित कर रहेहैं.उन्हें देखने के लिए भारी संख्या में भक्त उमड़ रहे हैं.यहां से 80 किलोमीटर दूरी पर एक विशाल पर्वत पर राणीगांव है. यहां के अविनाश कास्देकर नामक युवक ने इस मूर्ति का निर्माण किया है. सुसर्दा और धुलघाट रेलवे गलत सरकारी नीतियों से विकास से वंचित हो गया है. महाराष्ट्र सरकार पर अकोला-डाबका-खंडवा रेलवे लाईन को सरकार वजह बंद करने यहां पूरा इलाका संपर्कहीन हो गया है. चारों ओर मेलघाट टॉयगर प्रोजेक्ट का घना जंगल है. पर्यावरण की चादर ओढे राणीगांव की हसीन वादियों में विराजमान हुवे गणपति बाप्पा ने चार चांद लगा दिये हैं और ऐसी गणेश की इको फ्रेंडली मूर्तियां पर्यावरण के लिए अनुकूल रहती हैं. मिट्?टी से बनी गणेश मूर्तियों को लेकर लोगों में उत्साह बढ़ रहा है.आदिवासी बहुल धारणी में गणेशोत्सव उत्साह से मनाया जा रहा है. प्रशासन ने विसर्जन की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं.

अनुपम
ड्रेस मटेरियल्स
सलवार सुट्स
कुर्ती लेगिन्स
घाघरा चुन्नी
किड्स वेअर
नमुना नं.१, राजकमल चौक,
अमरावती. ०७२१-२५७०१२९

संजय विजयकर (सुख्यात समाजसेवी तथा व्यवसायी),
संचालक बंडू बेल्ट वाले, सरोज चौक रोड, अमरावती.

चंदूलाल सिंघानिया, यश सिंघानिया तथा समस्त सिंघानिया परिवार (सुख्यात समाजसेवी तथा व्यवसायी), संचालक-श्रीराम दाल मिल,बडनेरा तथा धार्मिक,सामाजिक कामों में अग्रणी समाजसेवी परिवार, बडनेरा.

गुरूवार 2 नवंबर से 9 नवंबर 2023

मेष

इस राशि के लोगों के लिए नया साल आशा आकांक्षाओं को प्रफुल्लीत करने वाला साबित होगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.

वृषभ

नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

मिथुन

अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क

आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.सप्ताह खुशियों से भरा रहेगा और खुशियां बढ़ती रहेंगी.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ

नए सप्ताह में प्रगति का योग है. अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.स्वास्थ्य को संभालकर रखें, अधिक दगदग अच्छी नहीं होगी. सावधानी से गाड़ी चलाएं.

मीन

दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.

प्राचीन खल्लार बालाजी मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा आज से

भागवतकार गोवावरीबाई बंड सुनाएंगी कथा, तैयारी पूरी

विदर्भ स्वाभिमान, 11 सितंबर

जिले की भातकुली तहसील के खल्लार बालाजी स्थित बालाजी मंदिर में संस्थान में गुरुवार 12 से 18 सितंबर तक अखंड श्रीमद् भागवत सप्ताह रखा गया है. इसमें सुख्यात भागवतकार गोदावरीताई बंड भक्तों को श्रीमद् भागवत कथा सुनाएंगी. दो सत्रों में होने वाली भागवत कथा का भक्तों से लाभ लेने का आग्रह श्री बालाजी संस्थान खल्लार तथा गांववासियों ने किया है. सुबह 10 से 12 तथा दोपहर 3 से 5.30 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का भक्त रसपान कर सकेंगे. कथा की सफलतार्थ श्री बालाजी संस्थान खल्लार (बालाजी) के सभी ट्रस्टी तथा गांववासियों द्वारा प्रयास कर रहे हैं.

कार्यक्रम के दौरान कथा के अलावा हर दिन सुबह 5 से 6 बजे काकड़ा आरती, हर दिन शाम 6.30 से 7.30 बजे हरिपाठ का भक्तों से लाभ लेने का आग्रह किया गया है. 12 सितंबर को सुबह 6 से 8 बजे तक श्री का अभिषेक अमरावती निवासी प्रेम गुप्ता करेंगे. रात 9 से 11 बजे तक खल्लार बालाजी पुरुष भजनी मंडल का भजन कार्यक्रम होगा. शुक्रवार को महिला भजनी मंडल खल्लार का भजन कार्यक्रम, शनिवार 14 सितंबर को रात 9 से 11 बजे श्रीकृष्णराव जिरापुरे का हरिकिर्तन, रविवार 15 सितंबर को रात 9 से 11 बजे तक श्री गजानन महाराज हरिपाठ महिला मंडल का भजन, सोमवार 16 को रात 9 से 11 बजे ग्रामस्तरीय महिला भजन स्पर्धा, 25 से 60 वर्ष के उम्र गुट वालों लिए ली जायेगी. मंगलवार 17 सितंबर रामराव लव्हाले महाराज का हरीकिर्तन होगा. कथा का समापन महाप्रसाद के साथ 18 सितंबर को होगा. भक्तों से कथा का लाभ लेने और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने का आग्रह किया गया है.

पर्युषण महापर्व मना,विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन

नितेश गांग ने किया आठ उपवास, भक्तों का सत्कार, सभी समाजबंधुओं ने दर्शायी उपस्थिति

विदर्भ स्वाभिमान,11 सितंबर

बडनेरा- जैन समाज में सबसे पावन और महत्वपूर्ण पर्युषण महापर्व भक्तीभाव तथा विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ मनाया गया. इस दौरान उपवास करने वाले नितेश गांग सहित अन्य भक्तों का सत्कार किया गया. आठ दिनों तक जाप के साथ ही विभिन्न कार्यक्रम हुआ. इसका समापन भी विभिन्न धार्मिक तथा सामाजिक उपक्रमों का आयोजन कर किया गया. इसमें सैकड़ों जैन बंधु शामिल हुए. मान्यवरों का सत्कार करने के साथ ही कईयों के मार्गदर्शन का लाभ भी समाजबंधुओं ने उठाया.

श्री वर्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन संघ बडनेरा द्वारा अष्टदिवसीय पर्युषण महापर्व विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ मनाया गया. इसका समाजबंधओं ने लाभ लिया. समाजबंधुओं को जीनवाणी का रसपान कराने के लिए अहमदनगर स्वाध्याय संघ से तीन स्वाध्यायी नरेन्द्र राकेचा,नासिक,मलकापुर से संगीता संचेती तथा हिंगणघाट की कल्पना पितलीया पहुंची थी.9 दिनों तक सुबह से लेकर शाम तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम लिया गया. महापर्व में पूनम लुणावत ने 9, नितेश गांग ने 8 उपवास की बड़ी तपस्या के साथ कंवरीलाल ओस्तवाल, किरिटभाई गांधी,भरतभाई कामदार, अनिता कोटेचा,भाविका झनझनवाला आदी श्रावक-श्राविकाओं ने 3 उपवास एवं आयंबिल, एकासणा आदी अनेक तपस्याएं भी की.नितेश गांग, ज्योति राठोड, राजीव बसवनाथे सहित कई सेवाभावियों का सत्कार किया गया.

पर्युषण महापर्व का अंतिम अष्टम दिवस क्षमापर्व के रूप में मनाया गया.संगीता संचेती ने प्रवचन में क्षमा का महत्व उपस्थितों को समझाया. 9 सितंबर को सामुहिक क्षमापना कार्यक्रम रखा गया. जिसमें स्वाध्यायियों का सत्कार कर उन्हें स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया. मंचासीन सभी मान्यवरो का मार्गदर्शन मौके पर हुआ.

इस मौके पर आनंद परिवार द्वारा धर्म कार्य किया गया, इसमें गोकुलम गौशाला को 11 हजार, बेघर निवारा केंद्र, बडनेरा को 7 हजार,शिवशक्ति गौशाला माहुली को 11 हजार की दान राशि भेंट की गई.सुरेशभाई गोसालिया द्वारा जाप की राशि में पूर्ति कर 21 हजार की राशि श्री संघ बडनेरा को धर्म कार्य के लिए प्रदान की. ज्योति राठोड, राजीव बसवनाथे का सत्कार किया गया.मौके पर मोहनलाल ओस्तवाल, उपाध्यक्ष सुगनचंद गांग,नरेन्द्रभाई गांधी, सचिव प्रदीप रुणवाल,किशोर बोकरिया, सुरेशभाई गोसलिया, संजय कटारिया, जवाहर गांग, देवेन्द्र गोसलिया, प्रफुल्लभाई गोसलिया, संजयभाई गोसलिया, मनोज गांग सहित सैकडों समाजबंधु उपस्थित थे. संचालन किशोर छाजेड़ एवं नितीन कटारिया ने किया. सुगनचंद गांग ने मंगल पाठ सुनाया. श्री संघ द्वारा गौतम प्रसादी का प्रबंधन किया गया जिसका सभी ने लाभ लिया. इसके साथ ही पर्युषण पर्व का भक्तिभाव से समापन हुआ.कुल मिलाकर यह कार्यक्रम सभी के लिए यादगार साबित हुआ.

सर्वत्र उत्साह, गणेश आराधना में डूबी अंबानगरी

शहर में 500 तथा जिले में 1400 से अधिक स्थानों पर विराजें हैं गणराया, भजन के साथ सामाजिक उपक्रम भी

विदर्भ स्वाभिमान, 11 सितंबर

अमरावती - अंबानगरी के साथ ही समूचे जिले में विघ्नहर्ता का 7 सितंबर से बाप्पा का आगमन होकर पूरे जिले में गणेशोत्सव के आगमन से अपार हर्ष, उत्साह तथा उमंग का नजारा है. बच्चों से लेकर बड़े सभी भक्तिभावपूर्वक बाप्पा की आराधना में लगे हैं. विदर्भ का राजा, उज्जैन के महाकाल के साथ आजाद हिंद गणेशोत्सव के गणेश दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ने लगी है. मौसम के कारण शहर तथा जिले में बीमारियों ने सिर उठाया है ऐसे में अस्पतालों में भी लोगों की भारी भीड़ रहने के बाद भी गणेशोत्सव का उत्साह रात में दिखाई देता है. लोग सहपरिवार बाप्पा के दर्शन का लाभ उठाने के लिए निकल रहे हैं. शहर में 400 से अधिक तथा जिलि में 1400 से अधिक मंडलों द्वारा पंजीयन तथा अन्य औपचारिकताएं पूरी करते हुए गणेशजी की आराधना की जा रही है.जबकि ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मंडलों द्वारा गणेश की स्थापना कर उनकी पूजा-अर्चना का कार्य किया जा रहा है. विघ्नहर्ता के साथ ही गौरी पूजन का पर्व रहने से अपार भक्तिभाव की गंगा बह रही है. भक्तों में जहां अपार उत्साह है, वहीं घरेलू स्तर पर भी ढाई लाख के करीब घरों में विघ्नहर्ता की स्थापना कर उनकी पूजा-अर्चना की जा रही है. छाया कॉलोनी मेंएकदंत गणेश मंडल के साथ ही राजेश बनारसे के घर के सामने की गल्ली में भी विघ्नहर्ता की युवाओं द्वारा आराधना की जा रही है. बड़ी संख्या में भक्तों द्वारा भक्तिभाव के साथ ही अन्य उपक्रमों में सहभागी होकर कार्यक्रम का लाभ लिया जा रहा है. गणेशोत्सव के कारण अंबानगरी में अपार धार्मिक उत्साह देखा जा रहा है. सर्वत्र खुशियां व्याप्त हैं.

गुणवत्ता *विश्वसनीयता* *तत्पर सेवा*

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक,

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

शादी-ब्याह का रंग, हमारे संग

आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.ल़ाड़का कस्टमर योजना को भव्य प्रतिसाद,आप भी पंजीयन कराकर उठाएं 5 साल लाभ

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

शारदा नगर, रघुवीर मोटर्स के पास,अमरावती

मो.9028123251

विदर्भ स्वाभिमान

मानव सेवा,माता-पिता सेवा को प्रोत्साहित करने वाला समाचार पत्र

घर की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की सुविधा करें. भीषण गर्मी में उन्हें हमारी सर्वाधिक जरूरत है. सृष्टि हित में विदर्भ स्वाभिमान की विनम्र प्रार्थना है. इस माध्यम से पुण्य कमाने का सुअवसर मिल रहा है.